भारत का राजापञ्च The Gazette of India

ग्रसाधा एण

EXTRAORDINARY

भाग **II---खण्ड** [‡]3---उप-खण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]

ना विल्ली, मंगलवार, जनवरी 21, 1975/माध 1, 1896

No. YAT

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 21, 1975/MAGHA 1, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्क।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 21st January 1975

- G.S.R. 14(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—
 - 1. These Rules may be called the Central Excise (Third Amendment) Rules, 1975.
- 2. In the Central Excise Rules, 1944, for sub-rule (3) of rule 224, the following sub-rules shall be substituted, namely:—
 - "(3) No excisable goods shall, in excess of the quota determined in the manner provided for in sub-rule (4), be removed for home consumption from a factory licensed under these rules or from a watchouse during any week in such period not exceeding four weeks in a year as the Central Government may, by notification in the official gazette, from time to time specify:
 - Provided that the Central Government may, if it is satisfied that it is necessary or expedient in public interest so to do, permit, by general or special order, any assessee or class of assessees to remove, subject to such conditions as it may specify, such goods for home consumption in excess of the said quota from the factory or, as the case may be, from the warehouse.
 - (4) The quota referred to in sub-rule (3) shall, in a case where excisable goods are liable to duty—
 - (i) at a rate dependent on the value thereof, be one hundred and twenty per cent of the weekly average value of such goods;

(ii) with reference to the quantity thereof, be one hundred and twenty per cent of the weekly average quantity of such goods,

removed for home consumption from the factory or, as the case may be, from the warehouse, during the twelve months immediately preceding the month in which the removal of such goods is subject to the provisions of sub-rule (3); and if, in any case the quota is not determinable in the aforesaid manner it shall be determined by the Collector in such manner as he may deem fit.

- (5) For the purposes of sub-rules (3) and (4)—
 - (i) the expression 'excisable goods' shall include-
 - (a) goods initially removed from the factory or warehouse for being warehoused or for being exported under bond, but subsequently diverted for home consumption on payment of duty; and
 - (b) goods manufactured prior to the imposition of duty thereon and removed without payment of duty from the factory during the period of twelve months referred to in sub-rule (4);
 - (ii) the expression 'twelve months' shall mean-
 - (a) in the case where a factory starts production or manufacture of excisable goods or a warehouse is established for lodging excisable goods, for the first time during the twelve months preceding the month in which the removal of such goods is subject to the provisions of sub-rule (3), the number of complete weeks commencing from the date of production or from the date of establishment of the warehouse, as the case may be, and ending on the day before the first day of such month;
 - (b) in a case where a factory is closed on account of any lockout or strike during the period of twelve months referred to in sub-clause (a), fiftytwo weeks less the number of completed weeks of such lockout and strike; and
 - (c) in any other case, fifty-two weeks."

[No. 8/75-C.E.]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व ग्रौर बीमा विभाग)

ग्रधिसूचनाएं

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1975

साठ काठ निर्व 14 (श्र).-केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में श्रागे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात् :--

- 1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (तीसरा संशोधन) नियम, 1975 है।
- 2. केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम, 1944 में, नियम 224 के उपनियम (3) के स्थान पर निम्न-लिखित उपनियम रखा जाएगा, श्रर्थात् :---
 - "(3) उपिनयम (4) में उपविन्धत रोति से श्रवधारित कोटा से श्रधिक कोई भी उत्पाद-शुल्क योग्य माल इन निपमों के श्रधीन श्रनुक्षप्त कारखाने से या भाण्डागार से, एक वर्ष में चार सप्ताह से श्रवधिक ऐसी श्रवधि में, जैसी कि केन्द्रोय सरकार द्वारा राजपल में श्रधिप्रचना द्वांरा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, किसी सप्ताह के दौरान स्थानीय उपभोग के लिए नहीं हटाया जाएगा:

- परन्तु केन्द्रोय सरकार, यदि उसका यह समाधान हो जाए कि ऐसा करना लोक हित में श्रावण्यक यासभोचीन है, साधारण या विशेष ब्रादेश द्वारा किसी निर्धारिती या निर्धारितियों के वर्ग को, ऐसी णर्तों के ब्रधोन रहने हुए जैसी कि केन्द्रोय सरकार विनिर्दिष्ट करें, उक्त कोटा से ब्रधिक ऐसे माल को, यथा स्थिति किसी कारखाने से या भाण्डागार से, स्थानीय उपभोग के लिए हटाने की श्रनशा दे सकती है।
- (4) उपनियम (3) में निर्दिष्ट वह कोटा जो उस मास के, जिसमें कि ऐसे माल का हटाया जाना उपनियम (3) के उपबन्धों के प्रधोन है, ठीक पूर्ववर्ती बारह मास के दौरान, यथास्थिति, किनी कारखाने से या भाण्डागार से स्थानीय उपभोग के लिए हटाया जारगा,—
 - (i) उस दशा में जहां उताय-शुरु योग्य माल पर उनके मूल्य पर शक्षारित दर से शुरूक प्रभार्य है, ऐने माल के साध्ताहिक श्रीसत मूल्य का एक सौ बीस प्रतिशत होगा; श्रीर
 - (ii) उस दशा में जहां उत्पाद-शुल्क योग्य माल पर उसके परिमाण के प्रति निर्देश से शुल्क मे प्रकार्य है, ऐने माल के साप्ताहिक ग्रौसत परिमाण का एक सौ बीस प्रतिशत होगा;

तथा उस दणा में जहां कोटा उपरोक्त रोति से स्रवधार्य नहीं है वहां कोटा कलक्टर **द्वारा ऐसी** रीति से स्रवधारित किया जाएगा जैसी वह ठोक समझे।

- (5) उपनियम (3) श्रीर(4) के प्रयोजनों के लिए-
 - (i) 'उत्पाद-शुक्त योग्य माल' पद में निम्तलिबित अम्मितित हैं, प्रथात :---
 - (क) वह माल जो किसी कारबाने या भाण्डागार से ब्रारम्भतः भाण्डागारण के लिए श्रयबा बन्धनत्र के प्रधीन निर्यात के लिए हटाया जाए किन्तु तदन्नतर मुल्क का संदाय करने पर, स्थानीय उपभोग के लिए ले लिया जाए ; ब्रौर
 - (ख) वह माल जो उस पर शुल्क के श्रविरोपित किए जाने के पूर्व निर्मित हो और जो बारह मास में से उपनियम (4) में निर्दिष्ट श्रविध के दौरान, शुल्क का संदाय किए बिना, कारखाने से हटाया जाए।
 - (ii) 'बारह मास की भ्रवधि 'पद से निम्नलिखित अवधि श्रभिप्रेत है, ग्रथांत् :---
 - (क) उस दशा में जहां कार आने के उत्पाद-शुक्क योग्य माल का उत्पादन या विनिर्माण अथवा उत्पाद-शुक्क योग्य माल को रखने के लिए भाण्डागार की स्थापना, प्रथम बार उस मास के पूर्ववर्ती बार ह मास के दौरान की जाए, जिस मास में ऐसे माल का हटाया जाना उपनियम (3) के उपबन्धों के अधीन हो, वहां, यथा स्थित उत्पादन की तारी बसे या भाण्डागार की स्थापना की तारी खसे आरम्भ और ऐसे मास के प्रथम दिन के पूर्व के दिन को समाप्त होने वाले पूर्ण सप्ताहों की कुल संख्या;

- (ख) उस दशा में जहां कारखाना उपखण्ड (क) में निर्दिष्ट बारह मास की प्रथिष के दौरान तालाबन्दी या हड़ताल के कारण बन्द हो वहां ऐसी तालाबन्दी या हड़ताल के पूर्ण सप्ताहों की संख्या को घटा कर कुल बावन सप्ताह; श्रीर
- (ग) किसी अन्य दशा में, बावन सप्ताह।"

[सं० 8/75-सी० ई०]

G.S.R. 15(E).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 224 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby specifies the period commencing from the 1st day of February, 1975 and ending with the 28th day of February, 1975 (both days inclusive) as the period during which removals of excisable goods for home consumption shall be subject to the provisions of that sub-rule.

[No. 9/75] S. D. MOHILE, Under Secy.

साठ काठ निठ 15 (भाठ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, : 1944 के नियम 224 के उपनियम (3) के अनुसरण में, 1975 की फरवरी के प्रथम दिन आरम्भ होने वाली और 1975 की फरवरी के अद्रशहसवें दिन समाप्त होने वाली (दोनो दिनों को सम्मिलित करते हुए) अवधि को उस अवधि के किए में विनिर्दिष्ट, करती है जिसके दौरान उत्पाद-गुल्क योग्य माल को, जो स्थानीय उपभोग के लिए में, हटाया जाना उक्त उपनियम के उपवन्धों के अधीन होगा।

[सं 0 9/75-सी व ई व]

सतीशचन्द्र द० मोहिले, प्रवर सणिष